



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 41]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 2, 2018/माघ 13, 1939

No. 41]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 2, 2018/MAGHA 13, 1939

राष्ट्रीय आवास बैंक

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर, 2017

सं. एनएचबी.एचएफसी.निर्देश.20/एमडीएंडसीईओ/2017.— राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 (1987 का 53) की धारा 30ए और 31 द्वारा प्रदत्त शक्तियों एवं इस संबंध में सामर्थ्यकारी सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय आवास बैंक ने सार्वजनिक हित में और संतुष्ट होकर यह आवश्यक समझा कि आवास वित्त प्रणाली को देश के लाभार्थ विनियमित करने में सशक्त होने के प्रयोजनार्थ, कि ऐसा करना आवश्यक है, एतद्द्वारा निर्देश देता है कि आवास वित्त कंपनी (रा.आ.बैंक) निर्देश, 2010 (यहां के बाद मुख्य निर्देश के रूप में संदर्भित), तत्काल प्रभाव से निम्नानुसार संशोधित किया जाएगा, यथा:

1. अनुच्छेद 6 में संशोधन

मुख्य निर्देशों के अनुच्छेद 6 के उप-अनुच्छेद (ii) में, खंड (छ) के बाद, निम्नलिखित खंडों को शामिल किया जाएगा, यथा:

“(ज) संयुक्त नामों में जमा राशियां स्वीकार्य करने के मामले में प्रपत्र में जमाकर्ता या जमाकर्ताओं की बैंख खाते का ब्यौरा मांगना चाहिए।

(झ) आवेदन प्रपत्र के अंत में, लेकिन जमाकर्ता के हस्ताक्षर से पहले जमाकर्ता द्वारा निम्नलिखित सहमित खंड जोड़ दिया जाएगा। “मैं एतद्द्वारा जमा की परिपक्वता पर यहां उल्लेखित मेरे निर्दिष्ट बैंक खाते में पूर्णतः मूलधन एवं ब्याज भुगतान हेतु मूलधन को नवीकृत करने/मूलधन एवं ब्याज को नवीकृत करने हेतु आवास वित्त कंपनी को अपनी स्पष्ट सहमति प्रदान करता हूं।”

व्याख्या:

जमाकर्ता द्वारा परिपक्वता निर्देश में किसी संशोधन के मामले में, बकाया राशि या तो स्वतः नवीकृत हो जाएगी या परिपक्वता पर भुगतान किया जाएगा।

बशर्ते कि दूसरे अवधि (प्रथम स्वतः नवीकरण के बाद) हेतु परिपक्वता के मामले में, अन्यथा जमाकर्ता से किसी विशिष्ट निर्देश की अनुपस्थिति में, राशि परिपक्वता पर निर्दिष्ट बैंक खाते में स्वतः विप्रेषित कर हो जाएगा”

2. अनुच्छेद 12 में संशोधन

(i) मुख्य निर्देशों के अनुच्छेद 12 के उप-अनुच्छेद (iv) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा, यथा:-

“(iv) आवास वित्त कंपनियों की ओर से जमा राशि की परिपक्वता की तारीख से कम से कम चौदह दिन पूर्व जमाकर्ता को जमाराशि की परिपक्वता का ब्यौरा सूचित करना अनिवार्य है। तथापि, किसी खास परिपक्वता निर्देश की अनुपस्थिति में जमाकर्ताओं के नाम निर्दिष्ट बैंक खाते में विप्रेषित कर दिया जाएगा।”

(ii) मूल निर्देशों के अनुच्छेद 12 के उप-अनुच्छेद (vi) नीचे दिए अनुसार प्रतिस्थापित किया जाएगा-

“(iv) (क) बशर्ते कि, जमाकर्ता के मृत्यु होने की स्थिति में, सार्वजनिक जमा राशि उत्तरजीवी शर्त के साथ संयुक्त धारक होने के मामले में उत्तरजीवी जमाकर्ता को, या मृतक जमाकर्ता के नामिती या कानूनी उत्तराधिकारी/यों को, मृतक जमाकर्ता के उत्तरजीवी जमाकर्ता / नामिती / कानूनी उत्तराधिकारी/यों के अनुरोध पर, उत्तरजीवी जमाकर्ता / नामिती / कानूनी उत्तराधिकारी के अनुरोध पर, और केवल मृत्यु का प्रमाण प्रस्तुत करने पर, कंपनी की संतुष्टी पर, चुकौती की तारीख को अनुबंधित दर पर ब्याज के साथ। परिपक्वता पूर्व भुगतान किया जाएगा।

(ख) इसके अतिरिक्त बशर्ते कि निम्न परिस्थितियों के बारे में चिंतित आवास वित्त कंपनी की संतुष्टी होने पर, आकस्मिक प्रकृति के कुछ व्यय के मिलान के क्रम में-

1. ‘अत्यंत लघु जमा’ पूरी तरह से बिना ब्याज के ऐसे जमा की स्वीकृति की तारीख से तीन महीने समाप्त होने से पहले, जमाकर्ता के अनुरोध पर, वैयक्तिक जमाकर्ताओं को परिपक्वता पूर्व भुगतान किया जा सकता है।
2. अन्य सार्वजनिक जमाओं के मामले में, जमा के मूलधन योग की राशि का पचास प्रतिशत से अधिक नहीं या 5 लाख 3 रु., जो भी कम हो, बिना ब्याज के ऐसे जमा की स्वीकृति की तारीख से तीन महीने समाप्त होने से पहले, जमाकर्ता के अनुरोध पर, वैयक्तिक जमाकर्ताओं को परिपक्वता पूर्व भुगतान किया जा सकता है; अनुबंधित दर पर ब्याज सहित शेष राशि सार्वजनिक जमाओं हेतु यथा लागू प्रचलित निर्देशों के प्रावधानों द्वारा अभिशासित होगा;

इसके अतिरिक्त बशर्ते कि गंभीर बीमारी के मामलों में, जमा की मूलधन योग की राशि का शत प्रतिशत बिना ब्याज के ऐसे जमा की स्वीकृति की तारीख से तीन महीने समाप्त होने से पहले, जमाकर्ता के अनुरोध पर, वैयक्तिक जमाकर्ताओं को परिपक्वता पूर्व भुगतान किया जा सकता है;

व्याख्या:

1. उप-अनुच्छेद (vi) (ख) के उद्देश्य हेतु, आकस्मिक प्रकृति के व्यय में संबंधित सरकार/प्राधिकरण के द्वारा यथा अधिसूचित प्राकृतिक आपदाओं/आपदा के कारण चिकित्सा इमरजेंसी या व्यय शामिल है।
2. ‘गंभीर बीमारी’ की परिभाषा हेतु, आवास वित्त कंपनियां आईआरडीए (स्वास्थ्य बीमा) विनियमन, 2016 और इसके अंतर्गत एवं समय-समय पर यथा संशोधित जारी दिशा-निर्देशों के द्वारा अभिशासित होंगी।
3. इन प्रावधानों हेतु राशि मौजूदा जमा अनुबंधों पर भी लागू होगा जहां वैयक्तिक जमाकर्ता के पास तीन महीने की समाप्ति के पूर्व जमाराशि के परिपक्वता पूर्व आहरण का अधिकार नहीं है।

श्रीराम कल्याणरामन, प्रबंधन निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

[विज्ञापन-III / 4 / असा. / 413 / 17]

NATIONAL HOUSING BANK

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th December, 2017

No. NHB.HFC.DIR.20/MD&CEO/2017.—In exercise of the powers conferred by sections 30A and 31 of the National Housing Bank Act, 1987 (53 of 1987) and of all the powers enabling it in this behalf, the National Housing Bank, having considered it necessary in the public interest, and on being satisfied that for the purpose

of enabling it to regulate the housing finance system of the country to its advantage, it is necessary so to do, hereby directs that the Housing Finance Companies (NHB) Directions, 2010 (hereinafter referred to as the principal Directions) shall, with immediate effect, be amended in the following manner, namely –

1. Amendment to Paragraph 6

In sub-paragraph (ii) of Paragraph 6 of the principal Directions, after the clause (g), the following clauses shall be inserted, namely:-

“(h) the form should solicit the details of the bank account of the depositor or depositor/s in case of deposits accepted in joint names.

- (i) at the end of application form but before signature of the depositor, the following consent clause by the depositor shall be appended. “I hereby give my explicit consent to the housing finance company to duly renew principal / renew principal and interest / pay, in entirety, the principal and interest to my designated Bank Account mentioned herein on maturity of the deposit.”

Explanation:

In the case of any revision in the maturity instruction by the depositor, the due amount will either be automatically renewed or paid on maturity;

Provided that in the case of maturity for the second tenure (post first auto renewal), the amount will be automatically remitted to the designated bank account at maturity, in absence of any specific instruction from the depositor otherwise.”

2. Amendment to Paragraph 12

- (i) In Paragraph 12 of the principal Directions, the sub-paragraph (iv) shall be substituted by the following, namely:-

“(iv) It is obligatory on the part of a housing finance company to intimate the details of maturity of the deposit to the depositor at least fourteen days before the date of maturity of the deposit. However, in the absence of any specific maturity instruction, the maturity amount shall be remitted to the designated bank account maintained in the name of the depositor/s.”

- (ii) Sub-paragraph (vi) of Paragraph 12 of the principal Directions, shall be substituted as under –

“(iv) (a) Provided that, in the event of death of a depositor, the public deposit shall be paid prematurely, to the surviving depositor/s in the case of joint holding with the survivor clause, or to the nominee or legal heir/s of the deceased depositor, on the request of the surviving depositor/s/nominee/legal heir/s of the deceased depositor, on the request of the surviving depositor/s/nominee/legal heir, and only against submission of proof of death, to the satisfaction of the Company, with interest at the contracted rate up to the date of repayment.

(b) Provided further that in order to meet certain expenses of an emergent nature, subject to the satisfaction of the housing finance company concerned about such circumstances –

1. ‘Tiny deposits’ may prematurely be paid to individual depositors, at the request of the depositor, before the expiry of three months from the date of acceptance of such deposits, in entirety, without interest;
2. In case of other public deposits, not more than fifty per cent of the amount of the principal sum of deposit or ₹ 5 lakh, whichever is lower, may be prematurely paid to individual depositors, at the request of the depositors, before the expiry of three months from the date of acceptance of such

deposits, without interest; the remaining amount with interest at the contracted rate shall be governed by the provisions of the extant Directions as applicable for public deposits;

Provided further that in cases of critical illness, hundred percent of the amount of the principal sum of deposit, may be prematurely paid to individual depositors, at the request of the depositors, before the expiry of three months from the date of acceptance of such deposits, without interest.

Explanation:

1. For the purpose of sub-paragraph (vi) (b), expenses of an emergent nature includes medical emergency or expenses due to natural calamities/disaster as notified by the concerned Government/authority.
2. For the definition of 'Critical illness', HFCs shall be guided by the IRDAI (Health Insurance) Regulations, 2016 and the guidelines issued thereunder, as amended from time to time.
3. The amount of these provisions shall also apply to the existing deposit contracts wherein the individual depositor does not have a right to premature withdrawal of the deposit before the expiry of three months."

SRIRAM KALYANARAMAN, Managing Director & Chief Executive Officer

[ADVT. -III/4/Exty./413/17]